

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

क्रमांक

दिनांक

निविदा/बोली आमंत्रण सूचना/2018-19

देवस्थान विभाग द्वारा उसके अन्तर्गत संचालित विभिन्न विकास कार्यों के कार्य पर्यवेक्षण (Site Supervision)/ प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कंसल्टेंसी (Project Monitoring Consultancy- PMC) हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है—

कार्य का विस्तृत विवरण				
1	2	3	4	5
कुल प्रमुख कार्य स्थल	आनुमानित विजिट संख्या	कार्य की अनुमानित लागत	कार्य का निविदा शुल्क	कार्य की धरोहर राशि (Ernest Money)
37	320	9.60 लाख	400 / —	19200 / —

प्रत्येक कार्य/कार्य समूह का उसकी लागत एवं अवधि सहित विवरण पृथक संलग्न है।

निविदा कार्यक्रम का विवरण— निर्धारित दिनांक एवं समय		
2	3	4
निविदा जारी करने एवं डाउनलोड करने की तिथि	कार्य की निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा की टेक्निकल बिड खोलने की तिथि
15.06.18 (06:00 बजे सांयकाल)	25.06.18 (11:00 बजे प्रातः)	25.06.18 (03:00 बजे मध्याह्न)

कार्य का विस्तृत विवरण एवं अनुमानित लागत पृथक से संलग्न है। इस हेतु पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक, जो कि केन्द्र/राजस्थान में विभिन्न वांछित अधिनियमों में पंजीकृत हो, निर्धारित दिनांक एवं समय तक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर भाग ले सकते हैं।

निविदा बोली प्रपत्र एवं शर्तें विभागीय वेबसाईट <http://devasthan.rajasthan.gov.in> एवं राजस्थान लोक उपापन पोर्टल <http://sppp.raj.nic.in> पर भी देखी जा सकती हैं।

आयुक्त, देवस्थान

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

निर्माण कार्यों के सुपरविजन हेतु निविदा बोली का तकनिकी बिड प्रपत्र

1. निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक :-
2. डाक का पता :-
3. फोन/मोबाईल नम्बर :-
4. ई-मेल :-
5. बैंक का नाम :- IFSC Acc. No.
6. बोली दस्तावेजों की लागत रु0 400/- का डीडी/बीसी सं दिनांक
बैंक का नाम संलग्न है।
7. बिड सिक्युरिटी राशि रु0 19200/- का डीडी/बीसी सं दिनांक
बैंक का नाम संलग्न है।
8. विधिक/प्रशासनिक मान्यता/अनुज्ञप्ति/पंजीकरण संबंधी सूचना :-
निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को विधिक/प्रशासनिक मान्यता/अनुज्ञप्ति/
पंजीकरण प्राप्त होना चाहिए, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र. सं.	पंजीकरण संबंधित दस्तावेज	पंजीकरण से संबंधित संस्था	पंजीकरण नम्बर	पंजीकरण दिनांक	संलग्नक संख्या	विशेष विवरण
1	राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यक संस्थान अधिनियम 1958 अथवा इण्डियन पार्टनशिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत अथवा इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956/2013 के तहत पंजीकरण					
2	वस्तु एवं सेवाकर का पंजीयन प्रमाण पत्र					
3	पैन कार्ड की प्रति					
4	बैंक खाता पास बुक एवं निरस्त चैक की प्रति					

विधिक/प्रशासनिक मान्यता/अनुज्ञप्ति/ पंजीकरण संबंधी अभिलेखों व अन्य प्रमाण-पत्रों की स्व-हस्ताक्षरित प्रति निविदा बोली दस्तावेजों के साथ लगानी होगी।

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

9. अनुभव तथा टर्न ओवर संबंध सूचना :- निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक फर्म को न्यूनतम 3 वर्ष (2015-16, 2016-17, 2017-18) तक के कार्य का अनुभव होना चाहिए। बोली दाता संवेदक द्वारा गत 3 वर्षों (2015-16, 2016-17, 2017-18) में औसत टर्न-ओवर 50.00 लाख रुपये का होना चाहिये। इस संबंध में सूचना निम्नानुसार है-

क्र.सं.	कार्य	कार्य की लागत	कार्यादेश दिनांक	कार्य से संबंधित संस्था	संलग्नक संख्या	विशेष विवरण

आवश्यकतानुसार पृथक से प्रपत्र संलग्न करें। टर्न-ओवर की गणना हेतु मान्यता प्राप्त CA द्वारा जारी रिपोर्ट की स्वहस्ताक्षरित प्रति संलग्न करना आवश्यक है।

10. मै/हम आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर द्वारा जारी निविदा बोली आमंत्रण सूचना क्रमांक/2018-19 में वर्णित सभी शता से तथा संलग्न दस्तावेजों में दो गई अतिरिक्त शर्तों से बाध्य होना स्वीकार करत है। इस हेतु दस्तावेजों एवं सभी संलग्नकों पर हस्ताक्षर कर दिये गये हैं।

निविदा बोली दाता के हस्ताक्षर

नाम मय सील

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

निविदा-बोली की सामान्य शर्तें

General Terms & Conditions of Tender Bid :-

1. निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक की पात्रता की शर्तें —

- 1 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को न्यूनतम 3 वर्ष (2015-16, 2016-17, 2017-18) तक के कार्य का अनुभव होना चाहिए। साथ ही उसे अन्य वांछित विधिक/प्रशासनिक मान्यता/अनुज्ञप्ति/पंजीयन प्राप्त होना चाहिए। निविदादाता फर्म को कम्पनीज एक्ट अथवा जीएसटी में रजिस्ट्रेशन होना चाहिए।
- 2 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक का गत 3 वर्षों (2015-16, 2016-17, 2017-18) में औसत सालाना टर्न-ओवर 50 लाख रुपये होना चाहिये। टर्न-ओवर की गणना हेतु मान्यता प्राप्त CA द्वारा जारी रिपोर्ट लगायी जानी होगी।
- 3 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक का राजस्थान में कार्यालय संचालित होना चाहिए। इसमें निविदादाता अपना कार्यालय पता अंकित करें।
- 4 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक फर्म द्वारा प्रति कार्यस्थल हेतु न्यूनतम एक साईट इंजीनियर लगाया जाएगा, जिसे इंजनियरिंग में सिविल में डिप्लोमा/डिग्री धारक होना चाहिए। कार्यस्थल पर नियुक्त किये जाने वाले साईट इंजीनियर नाम एवं उसकी योग्यता की सूचना कार्यादेश के 10 दिवस में देवस्थान विभाग को दी जाएगी।

2. निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक के कार्य संबंधी शर्तें—

निविदादाता/बोलीदाता/ संवेदक को कार्य दिये जाने पर पी.एम.सी./साईट इंजीनियर हेतु कार्य निरीक्षण के लिए निम्न मानदण्ड होंगे—

- 1 कार्य के पूरे निर्धारित अवधि के दौरान उसे प्रति पाक्षिक उपस्थित होना आवश्यक होगा।
- 2 निम्न समयों में उसकी उपस्थिति विशेष आवश्यक होगी—
 - 1 कार्य प्रारम्भ करते समय, उसका डिमार्केशन/ले-आउट देते समय
 - 2 नींव भराई के समय
 - 3 कार्य के प्लिन्थ लेवल पर पहुंचने पर पुनः डिमार्केशन/ले-आउट देते समय
 - 4 शटरिंग के समय
 - 5 स्टील बंधाई/इलेक्ट्रिकल कन्ड्यूट/आरसीसी कॉस्टिंग के समय
 - 6 दीवार निर्माण एवं प्लास्टर के समय उसकी गुणवत्ता को समय-समय पर चेक किया जाएगा।
 - 7 धड (रूफिंग) में ढाल (स्लोप) का लेवल निर्धारण करते समय

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

- 3 पी.एम.सी./साईट इंजीनियर द्वारा मासिक रूप से साईट सुपरविजन रिपोर्ट सह माप पुस्तिका के निम्न संलग्न प्रपत्र में प्रगति/सूचना उपलब्ध कराई जाएगी— (इसमें आवश्यकतानुसार कतिपय बिंदुओं पर पाक्षिक सूचना भी ली जा सकती है।)
- 4 उक्त प्रपत्र में सूचना 3 रूप में दी जाएगी—
 - 1 विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गयी साईट सुपरविजन रिपोर्ट पुस्तिका पर अंकन कर।
 - 2 इसका संबंधित पृष्ठ भाग स्कैन कर उसे ई-मेल/ऑनलाईन अपडेशन करते हुए।
 - 3 किसी त्रुटि या समस्या की स्थिति में संबंधित अधिकारी को एसएमएस/फोन कॉल से सूचना देते हुए।
 - 4 साईट सुपरविजन रिपोर्ट के साथ दिनांक विशेष की स्वयं की साईट विजिट की फोटो आवश्यक रूप से प्रस्तुत करनी होगी।
- 5 पी.एम.सी./साईट इंजीनियर के पास साईट विजिट के समय निम्न अभिलेख आवश्यक रूप से होने चाहिए—
 - 1 साईट सुपरविजन रिपोर्ट सह माप पुस्तिका
 - 2 कार्य का लेआउट प्लान,
 - 3 डीपीआर की कॉपी (3-डी डिजाइन के साथ)
 - 4 कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि/टाइमलाइन
 - 5 संदर्भित लागू बीएसआर
 - 6 मेजरमेंट टेप
 - 7 लेजर डिस्टेंस मेजरमेंट मशीन (जहां आवश्यक हो।)
 - 8 यदि किसी कार्य की लैब टेस्ट कराई गयी हो, तो उसकी रिपोर्ट
 - 9 गुणवत्ता नियंत्रण हेतु समस्त निर्धारित आवश्यक टूल/सामग्री के ठेकेदार के पास उपलब्ध होने की सुनिश्चितता
- 6 पी.एम.सी./साईट इंजीनियर के द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण हेतु भी समुचित कार्यवाही की जाएगी— जैसे—
 - 1 भवन सामग्री (ईट, सीमेंट, चूना, बजरी, सुर्खी, गिट्टी, सरिया, पाईप आदि की गुणवत्ता)
 - 2 भवन सामग्री के समुचित मिश्रण एवं मेंटनेंस की गुणवत्ता
 - 3 कार्य (फिनिशिंग, डिजाईनिंग, अलाईनमेंट आदि) की गुणवत्ता
- 7 यदि ठेकेदार द्वारा कार्य की डीपीआर या डिजाईनिंग की पालना नहीं की जा रही या कार्य के निर्धारित समयानुसार व उसकी आवश्यकतानुसार कार्य नहीं किया जाता अथवा उसमें समुचित संख्या में श्रमिक नहीं लगाये जाते, या प्रदत्त निर्देशों की समय पर पालना नहीं की जाती, तो वह इस संबंध में संबंधित राजकीय क्रियान्वयन एजेन्सी के साथ देवस्थान विभाग को भी सूचित किया जायेगा। इन

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

सूचनाओं के लिए देवस्थान विभाग द्वारा ऑनलाईन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा सकती है।

- 8 यदि कार्य की डीपीआर या डिजाइनिंग में कहीं आवश्यकता या औचित्य अनुसार परिवर्तन आवश्यक होगा या उससे कार्य बेहतर होगा तो उसमें साईट इंजीनियर के द्वारा समुचित सुझाव भी दिया जायेगा।
- 9 साईट इंजीनियर के द्वारा सीपीएम, पर्ट चार्ट आदि आधुनिक वर्क मैनेजमेन्ट टूल का प्रयोग किया जा सकता है।

3. संबंधित नियमों एवं विधिक प्रावधानों की पालना से संबंधित शर्तें—

- 1 राजस्थान लोक उपापन में पादर्शिता अधिनियम— 2012 एवं नियम— 2013 तथा सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम एवं इस संबंध में वित्त विभाग, राजस्थान द्वारा जारी अधिसूचना, परिपत्र, गाईड लाईन, आदेश एवं निर्देश आदि प्रभावी रहेंगे।
- 2 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम— 1948 (केन्द्रीय अधिनियम 11, वर्ष 1948) राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 एवं कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1974 आदि के विधिक प्रावधानों की पालना की जाएगी तथा इसके वैधानिक प्रावधानों की अनुपालना का दायित्व संबंधित निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक का होगा।
- 3 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा नियुक्त श्रमिकों/कार्मिकों की सुरक्षा के लिए समुचित प्रावधान स्वयं के स्तर पर करने होंगे।
- 4 नियोजित श्रमिकों को 240 दिवस पूर्ण कर लिये जाने का औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1974 में विहित प्रावधानों, के अनुसार श्रम नियोजित श्रमिकों को हटाने, कार्यमुक्त करने, नोटिय वेतन, छंटनी मुआवजा आदि देने का समस्त उत्तरदायित्व संवेदक/बोलीदाता का होगा।
- 5 कार्य सम्पादन अवधि के दौरान कार्य के संबंध में/संदर्भ में किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति या मुआवजा देन ई.एस.आई. करवाने/सामूहिक/ दुर्घटना बीमा कराने इत्यादि की जिम्मेदारी एवं दायित्व संवेदक/बोलीदाता को होगा, इसके लिये इस कार्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
- 6 पृथक से यात्रा भत्ता देय नहीं होगा—उसका समस्त भार संवेदक द्वारा वहन किया जाएगा:—

4. अन्य शर्तें —

- 1 यदि देवस्थान विभाग द्वारा कार्य के सुपरविजन के लिए निविदा में दी अवधि से 3 माह की अवधि तक वृद्धि या कमी की जाती है, तो निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को उसकी माह में की गई विजिट अनुसार मासिक देय राशि की गणना कर भुगतान किया या काटा जा सकता है।

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

- 2 यदि निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा किसी कारणवश साईट इंजीनियर को परिवर्तित किया जाता है, तो इसकी पूर्व सूचना देवस्थान विभाग को देते हुए उसका अनुमोदन लिया जाना आवश्यक होगा। यदि किसी कारणवश साईट इंजीनियर को अवकाश पर जाना होता है तो इसकी पूर्व सूचना देवस्थान विभाग को देते हुए निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को वैकल्पिक साईट इंजीनियर की व्यवस्था उपलब्ध करानी होगी।
- 3 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक अपने संविदा अनुबंध को या उसके सारवान भाग को किसी अन्य एजेन्सी को नहीं सौंपेंगे या उपांतरित (Sub-let) नहीं करेंगे।

5. प्रक्रिया संबंधी प्रावधान—

- 1 निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा **तकनीकी बोली** तथा **वित्तीय बोली** से संबंधित दस्तावेज दो अलग-अलग लिफाफों में बन्द कर जमा कराये जायेंगे—
 - 1 **लिफाफा संख्या— 1** — इसमें तकनीकी बोली से संबंधित दस्तावेज रखे जायेंगे इस पर स्पष्ट रूप से इसका अंकन किया जायेगा। इसमें मुख्यतः निम्न अभिलेख होंगे— निविदा आवेदन पत्र, निविदादाता की पात्रता की शर्तों के अनुसार आवश्यक प्रमाण पत्र व अभिलेख, निविदा शुल्क जमा कराने की रसीद या प्रति, धरोहर राशि जमा कराने का साक्ष्य/बैंक डी.डी., निविदा में निर्धारित अन्य दस्तावेज।
 - 2 **लिफाफा संख्या— 2** — इसमें वित्तीय बोली/निविदा निर्धारित प्रपत्र में भरकर पृथक से सील बन्द लिफाफे में रखा जायेगा। वित्तीय बोली/निविदा में निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा जो दर दी जायेगी, वह समस्त कर सहित होगी।
 - 3 **लिफाफा संख्या— 3**
- 2 तकनीकी बोली में क्वालिफाईड/सफल निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक की ही वित्तीय बोली/प्राईस बिड खोली जायेगी। जिसकी सूचना पृथक से तकनीकी बोली में क्वालिफाईड निविदादाता को दी जायेगी।
- 3 निविदा की विधिमान्यता वित्तीय बोली/प्राईस बिड खुलने की तिथि से 90 दिन की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।
- 4 **मूल्यांकन की कसौटी** :- तकनीकी-वाणिज्यिक बोली में सफल/क्वालिफाईड निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक की न्यूनतम विजिट दर के आधार पर वित्तीय बोली/क्वालिफाईड बिड का मूल्यांकन किया जाएगा।
- 5 **निविदा बोली प्रतिभूति राशि (Tender Bid Security) जमा कराने की प्रक्रिया** :- निविदा बोली प्रतिभूति राशि “आयुक्त देवस्थान, उदयपुर” के नाम पर डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक के रूप में जमा करायी जाएगी। सफल निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक के अनुबन्ध निष्पादन और कार्य सम्पादन प्रतिभूति

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

दे देने पर या उपापन प्रक्रिया के निरस्तीकरण पर शीघ्र ही निविदा बोली प्रतिभूति निविदादाता/बोलीदाता/संवेदकों को लौटा दी जावेगी।

6 निविदा बोली प्रतिभूति का समपहरण (Forfeiture of Tender Bid Security) बोली प्रतिभूति का निम्नलिखित मामलों में समपहरण (Forfeiture) किया जा सकेगा—

- 1 जब निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक निविदा बोली खुलने, किन्तु निविदा बोली स्वीकार करने के पूर्व अपने प्रस्ताव को वापस लेता है या उसमें परिवर्तन (Modification) करता है।
- 2 जब निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक विनिर्दिष्ट समय के भीतर संविदा/अनुबन्ध निष्पादित नहीं करता है।
- 3 जब निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक स्वीकृति की सूचना के पश्चात् कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि जमा नहीं कराता है।
- 4 जब निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा निर्धारित अवधि में कार्य प्रारम्भ नहीं करता है।
- 5 यदि बोली लगाने वाला अधिनियम और इन नियमों के अध्याय-6 में विनिर्दिष्ट बोली लगाने वालों के लिए विहित सत्यनिष्ठा की संहिता के किसी उपबन्ध को भंग करता है।

1. संविदा/अनुबन्ध एवं कार्य सम्पादन प्रतिभूति (Agreement and Performance Security)

- 1 निविदा बोली आमंत्रण में अंकित सेवा की आपूर्ति हेतु सफल निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को बोली स्वीकृति आदेश पत्र के दिनांक से अधिकतम 7 दिन में सेवा में प्रदाय आदेश/कार्यादेश (Work Order) की रकम की 5 प्रतिशत राशि **कार्य सम्पादन प्रतिभूति (Performance Security)** के रूप में डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक **आयुक्त देवस्थान, उदयपुर** के नाम पर जमा करानी होगी एवं उक्त प्रदाय आदेश/कार्यादेश (Work Order) की रकम के 0.25 प्रतिशत (अधिकतम 15000 रुपये) के बराबर राशि के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर सामान्य एवं वित्तीय लेखा नियम में निर्धारित एस.आर. प्रारूप- 17 में एक **अनुबन्ध पत्र** निष्पादन करना होगा।
- 2 सफल निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक की दशा में **बोली प्रतिभूति** की रकम कार्य सम्पादन प्रतिभूति की रकम में समायाजित की जा सकती है या लौटायी जा सकती है, यदि सफल बोली लगाने वाला पूर्ण रकम की कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि दे देता है।
- 3 कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि पर विभाग द्वारा ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा।

2. कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि का समपहरण (Forfeiture of Work Performance Security Deposit) :- निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

(Work Performance Security Deposit) का पूर्ण या आंशिक रूप से निम्नांकित मामलों में समपहरण (Forfeiture) किया जा सकेगा।

- 1 जब निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक द्वारा संविदा/अनुबन्ध की शर्तों का उल्लंघन किया गया हो।
- 2 जब निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक सेवा की आपूर्ति निर्धारित समय अवधि में अथवा सन्तोषजनक रूप में करने में असफल रहा हो।

नोट:— कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि के समपहरण करने के मामले में निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। इस संबंध में उपापन सस्था का निर्णय अंतिम होगा।

3. भुगतान:—

1. निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को भुगतान मासिक रूप से किया जायेगा। जिस पर नियमानुसार स्त्रोत पर आयकर की कटौती की जायेगी। इस हेतु निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक को प्रत्येक माह का बिल भुगतान हेतु आगामी माह के प्रारम्भ के 3 कार्य दिवस में प्रस्तुत कर देना होगा। बिल सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम क अनुसार उचित प्रारूप में 3 प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा। उचित प्रारूप में अथवा उचित समय पर बिल प्रस्तुत न करने पर होने वाले विलम्ब के लिए अनुबंधित निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक स्वयं जिम्मेदार होगा।

2. अनुमोदित दरों में जीएसटी सहित समस्त कर शामिल है। बिलों में जीएसटी की राशि पृथक से दर्शानी होगी एवं नियमानुसार जीएसटी की राशि संबंधित मद में जमा कराने का दायित्व सफल बोली दाता का होगा। यदि राज्य सरकार द्वारा स्त्रोत पर जीएसटी कटौती का प्रावधान लागू किया जाता है तो नियमानुसार स्त्रोत पर जीएसटी की कटौती की जायेगी

4. परिनिर्धारित क्षति (Liquidated Damages)- कार्य में परिनिर्धारित क्षति निम्नानुसार होगी—

- 1 कार्य के लिए निर्धारित दिवस पर अनुपस्थित पाये जाने पर प्रति कार्य दिवस के लिए देय राशि को चार गुनी राशि कटौती कर ली जायेगी।
- 2 निर्धारित समय पर निविदा में विहित प्रपत्र में सूचना नहीं भेजने पर प्रति दिवस बिलम्ब के लिए उसकी प्रति कार्य दिवस के लिए देय राशि की दो गुनी राशि कटौती कर ली जायेगी।

नोट:—

यदि निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक किन्ही बाधाओं के कारण सेवा की आपूर्ति के लिए समय में वृद्धि चाहता है, तो वह लिखित में उस प्राधिकारी को आवेदन करेगा, जिसने सेवा प्रदायगी का आदेश दिया है। किन्तु वह उसके लिए आवेदन बाधा के घटित होने पर तुरन्त उसी समय करेगा, न कि सेवा आपूर्ति होने की निर्धारित तारीख के बाद करेगा। यदि देवस्थान विभाग के अधिकारी को यह विश्वास हो जाता है कि सेवा की आपूर्ति करने में उत्पन्न हुई बाधा

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

निविदादाता/बोलीदाता/संवेदक के नियंत्रण से परे कारणों से हुई है, तो उसके द्वारा इसमें समुचित विचार कर परिनिर्धारित क्षति में कटौती की जा सकेगी अथवा सेवा की अवधि में वृद्धि परिनिर्धारित क्षति सहित या रहित की जा सकेगी।

5. **स्पष्टीकरण/मार्गदर्शन/निर्वचन :-** निविदा/बोली के निर्वचन के संबंध में किसी प्रकार की समस्या/संदेह हो, तो उसमें आयुक्त देवस्थान अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण/मार्गदर्शन/निर्वचन किया जा सकेगा।

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘A’

COMPLIANCE WITH THE CODE OF INTEGRITY AND NO CONFLICT OF INTEREST:-

Any person participating in a procurement process shall-

- a) Not offer any bribe, reward of gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- b) Not misrepresent or omit misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anti competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- d) Not misuse any information shared between the procuring entity and the bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any part or to its property to influence the procurement process;
- f) Not obstruct any investigation or audit of procurement process,
- g) Disclose conflict of interest, if any, and
- h) Disclose any previous transgression with any entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

CONFLICT OF INTEREST:-

The bidder participating in a bidding process must not have a conflict of interest. A conflict of interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

1. A Bidder may be considered to be in conflict of interest with one or more parties in bidding process if, including but not limited to:
 - a. Have controlling partners/shareholders in common; or
 - b. Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. Have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another bidder, or influence the decision of the procuring entity regarding the bidding process; or
 - e. The bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a bidder, in more than one Bid; or
 - f. The bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the goods, works or services that are the subject of the Bid; or

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

- g. The bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired by the Procuring Entity as engineer-in charge/consultant for the contract.

Date:

Signature of Bidder with Seal

Name:

Designation:

Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘B’

DECLARATION BY THE BIDDER REGARDING QUALIFICATIONS **DECLARATION BY THE BIDDER**

In relation to my/our Bid submitted to Commissioner Devsthan **Udaipur** for procurement of **M/s** In response to their notice inviting Bids No.....DatedI/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the bidding Document issued by the procuring entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the bidding document;
3. I/we are not insolvent, in receivership bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements of misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the bidding document, which materially affects fair competition.

Date:
Place:

Signature of Bidder with Seal
Name:
Designation:
Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘C’

GRIEVANCE REDRESSAL DURING PROCUREMENT PROCESS

The designation and address of the First Appellate Authority is

.....
.....
.....

The designation and address of the Second Appellate Authority
is.....

.....
.....

1. Filing an appeal:-

If any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the procuring entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the bidding document within a period of ten days, from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or ground on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a bidder as successful the appeal may be filed only by a bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a procuring entity evaluates the technical bids before the opening of the financial Bids, and appeal related to the matter of financial Bids may be filed only by a bidder whose technical Bid is found to be acceptable.

2. The officer to whom an appeal is filed under Para (1) will deal with the appeal as expeditiously as possible and will Endeavour to dispose it off within thirty days from the date of the appeal.
3. If the officer designated under Para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in Para (2), or if the bidder or prospective bidder or the procuring entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the bidder or prospective bidder or the procuring entity, as the case may be may file a second appeal to second Appellate Authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in Para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

4. Appeal not to lie in certain cases:-

No appeal will lie against any decision of the procuring entity relating to the following matters, namely:-

- (a) Determination of need of procurement;
- (b) Provision limiting participating of bidders in the Bid process;
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) Cancellation of procurement process;
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

5. Form of Appeal:-

- (a) An appeal under Para (1) or (3) above will be in the annexed Form along with many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal will be accompanied by an order appealed against, if any affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case maybe, in person or through registered post or authorized representative.

6. Fee for filling appeal

- (a) Fee for first appeal will be rupees two thousand five hundred and for second appeal will be rupees ten thousand, which will non-refundable.
- (b) The fee will be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

7. Procedure for disposal of appeal:-

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case maybe, upon filing of appeal, will issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, will,-
 - (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned will pass an order in writing and provide the copy of order to the parties free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause © above will be place on the State Public Procurement Portal.

Date:

Place

Signature of Bidder with Seal

Name:

Designation:

Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

FORM No. 1

[See rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012

Appeal No.of.....
Before the(First/Second Appellate Authority)

1. Particulars of Appellant:

- (i) Name of the appellant:
- (ii) Official address, if any:
- (iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent (s)

- (i)
- (ii)
- (iii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer/authority who passed the order (enclose copy) or a statement of a decision, action or mission of the procuring entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposed to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:

5. Number of Affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:

.....
.....
.....
(supported by an affidavit)

7. Prayer :

.....
.....
.....
...

Place.....

Date.....

Appellant's

Signature

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘D’

ADDITIONAL CONDITIONS OF CONTRACT

1. Correction of Arithmetic Errors:-

Provided that a financial Bid is substantially responsive, the procuring entity will correct arithmetical errors during evaluation of financial Bids on the following basis:

- (i) If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price will prevail and the total price will be corrected, unless in the opinion of the procuring entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted will govern and the unit price will be corrected;
- (ii) If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the sub totals will prevail and the total will be corrected; and
- (iii) If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words will prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures will prevail subject to clause (i) and (ii) above.

If the bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid will be disqualified and its Bid security will be forfeited or its Bid securing declaration will be executed.

2. Procuring Entity’s Right to Vary Quantities

The quantity mentioned in the Bid is the minimum approximate quantity that the bidder will have to compulsorily supply to specified destination.

- (a) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or service originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit process or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (b) If the procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procure less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the conditions of contract.
- (c) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity will not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, the Procuring Entity will be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred will be recovered from the supplier.

3. DIVIDING QUANTITIES AMONG MORE THAN ONE BIDDER AT THE TIME OF AWARD (IN CASE OF PROCUREMENT OF GOODS):-

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

As a general rule all the supply will be taken from successful bidder, whose Bid is accepted, However, when it is considered that the quantity of the subject matter of supply to be supplied is very large and it may not be in the capacity of the bidder, whose Bid is accepted to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the bidder, whose Bid is accepted and the second lowest bidder or even more bidders, in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the bidder, whose Bid is accepted.

Date:
Place:

Signature of Bidder with Seal

Name:
Designation:
Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

प्रपत्र-अ

साईट सुपरविजर रिपोर्ट सह माप पुस्तिका

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

प्रपत्र— ब

—: निर्माण कार्यो के सुपरविजन हेतु कार्यो का विवरण:—

क्र. सं.	मंदिर का नाम	श्रेणी	जिला	स्वीकृत राशि (लाखों) में	कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि	सुपरविजन हेतु आनुमानित विजिट संख्या
1	2	3	4	5	6	7
	Group-1					
1	श्री रूपनारायण सेवंत्री,	राआनि	राजसमन्द	230.00 545.00	30.11.18	20
2	श्री चारभुजा जी,	राआनि	राजसमन्द	520.00	31.12.18	24
3	श्री घोटिया अम्बा, महादेव जी	राआनि	बांसवाड़ा	267.92	30.08.18	8
4	श्री वेणेश्वर धाम,	प्रन्यास	डूंगरपुर	490.00	30.09.18	12
				100.37	30.09.18	10
				543.31	30.09.18	10
5	श्री मातृकुण्डिया	राआनि	चित्तौड़गढ़	795.00	30.12.18	20
	Group-2					
6	श्री सूर्य मंदिर,	राप्रप्र	झालावाड़	85.52	16.09.19	6
7	श्री कृष्णाय माताजी	राप्रप्र	बारां	52.00	31.03.19	8
8	श्री केशवराय जी	राप्रप्र	बून्दी	546.75	16.03.21	24
9	Group-3					
10	श्री गंगा मंदिर	राप्रप्र	भरतपुर	186.06	16.09.20	20
11	श्री लक्ष्मण जी,	राप्रप्र	भरतपुर	123.17	16.09.19	20
12	श्री डिग्गी कल्याण जी	प्रन्यास	टोंक	500.00	31.07.18	04
13	श्री राजकालेश्वर	अराजकीय	टोंक	371.14	31.10.18	04
14	श्री ब्रह्मा मंदिर पुष्कर,	प्रन्यास	अजमेर	500.00	31.08.18	04
	Group-4					
15	श्री करणी माताजी	राप्रप्र	चूरू	35.00	30.09.18	04
16	श्री भैरो जी	राप्रप्र	चूरू	35.00	30.09.18	04
17	श्री लक्ष्मीनारायण जी	राप्रप्र	चूरू	5.00	30.09.18	04
18	रघुनाथ मंदिर	राप्रप्र	चूरू	75.00	30.09.18	04
19	मुरली मनोहर मंदिर	राप्रप्र	चूरू	25.00	30.09.18	06
20	श्री सालासर बालाजी,	प्रन्यास	चूरू	676.96	-	06
21	मगरा मेरवाड़ा क्षेत्र के धार्मिक		अजमेर	895.14	-	10

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

	स्थलों के विकास के 30 कार्य					
22	श्री लक्ष्मीनाथ जी,	राआनि श्री	बीकानेर	100.00	31.07.18	02
23	श्री मणिकर्णिका घाट महादेव मंदिर	राप्रप्र	बनारस	100.00	31.12.18	05
	Group-5- नवीन कार्य					
24	श्री रामदेवरा,		जैसलमेर	200.00	31.05.19	10
25	श्री झरनेश्वर महादेव,		झालावाड़	39.00	30.09.18	05
26	श्री नकलन महादेव,		झालावाड़	60.00	30.09.18	05
27	श्री कायावर्णेश्वर महादेव, डग		झालावाड़	180.00	31.12.18	05
28	श्री विजवा माता जी,		डूंगरपुर	200.00	31.12.18	05
29	श्री मुरली मनोहर जी, रतनगढ़		चूरू	25.00	30.09.18	05
30	श्री रघुनाथ जी, रतनगढ़		चूरू	75.00	30.09.18	05
31	श्री लोहार्गल तीर्थ,		शुन्नु	400.00	31.12.18	05
32	श्री रतनबिहारी जी		बीकानेर	25.00	30.09.18	05
33	श्री रसिक शिरोमणि		बीकानेर	25.00	30.09.18	05
34	श्री शनि महाराज मंदिर आली कपासन		चित्तौड़गढ़	50.00	30.09.18	05
35	श्री चौथ माता		सवाई माधोपुर	100.00	31.12.18	08
36	हरभांवता तालाब,		टोंक	200.00	31.12.18	08
37	मंगलेश्वर महादेव,		बांसवाड़ा	100.00	30.09.18	05
	योग					320

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

-:घोषणा पत्र:-

निविदा बोली की समस्त जानकारी/शर्तों का मैंने/हमने अच्छी तरह अध्ययन कर लिया है। मैं/हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि मैं/हम उक्त कार्य हेतु रजिस्टर्ड है वास्तव में ई-बोली में चाहा गया व्यवसाय किया जाता है तथा वांछित मशीन/उपकरण/प्रशिक्षित कार्मिक उपलब्ध है तथा “अधिनियम” की धारा 46 एवं “नियम” के नियम 39 के अनुसार राज्य सरकार या इस उपापन संस्था से अपात्रता के लिए विवर्जित (Debarred) नहीं हैं।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाएं तो किसी भी अन्य कार्रवाई, जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मेरी/हमारी बोली प्रतिभूति/ एवं कार्य निष्पादन प्रतिभूति को पूर्ण रूप में समपहत कर किया जा सकेगा तथा निविदा बोली को, जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

बेलेदाता के हस्ताक्षर
नम मय सील

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

वित्तीय बिड

वित्तीय बोली/प्राईस बिड निम्नानुसार प्रपत्र में भरकर पृथक से लिफाफे में बन्द कर निविदा के साथ प्रस्तुत करें। लिफाफे पर बड़े अक्षरों में वित्तीय बोली/प्राईस बिड आवश्यक रूप से लिखें :—

क्र.सं.	निर्माण कार्यों के सुपरविजन हेतु कार्यों का विवरण	निविदादाता द्वारा कार्य पर्यवेक्षण (Site Supervision)/ प्रोजेक्ट मानिट्रिंग कंसल्टेंसी (Project Monitoring Consultancy- PMC) हेतु भरी जाने वाली राशि प्रति विजिट दर (समस्त कर एवं प्रभार सहित)	
		राशि अंकों में	राशि शब्दों में
1	2	3	4
1	देवस्थान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकास/निर्माण कार्यों के कार्य पर्यवेक्षण (Site Supervision)/ प्रोजेक्ट मानिट्रिंग कंसल्टेंसी (Project Monitoring Consultancy- PMC) हेतु दर प्रति विजिट		

नोट:— उपरोक्त विजिट की संख्या में कमी/बढोतरी की जा सकती है एवं राज्य सरकार द्वारा नवीन कार्य भी स्वीकृत किये जा सकते है।

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

खूली बोली आमंत्रण प्रपत्र

वित्तीय वर्ष 2018-19 में इस कार्यालय के अधीन होने वाले निर्माण कार्य हेतु कार्य की प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने (DPR) का कार्य हेतु दोहरा लिफाफा पद्धति से निर्धारित प्रपत्र में बोलिया आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम व विवरण							
1	2	3	4	5	6	7	8
कार्य का नाम जिसके लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई (DPR) जानी है	कार्य की अनुमानित लागत जिसके लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई (DPR) जानी है	निविदा लागत रू0 में	निविदा शुल्क रू0 में	धरोहर राशि रू0 में	निविदा जारी करने की दिनांक एवं समय	निविदा भरने की अंतिम दिनांक एवं समय	तकनीकी बिड खोलने में दिनांक एवं समय
सुपर्दगी श्रेणी मन्दिर श्री लोहारगल तीर्थ, झुन्झनु का विकास कार्य	500.00 लाख	980000	400	9800	15.06.2018 06.00 P.M.	25.06.2018 11.00 A.M.	25.06.2018 03.00 P.M.
राजकीय आत्म निर्भर मन्दिर श्री विजवा माता, डुंगरपुर का विकास कार्य	200.00 लाख						
राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मन्दिर श्री मुरलीमनोहर जी, रतनगढ चुरु	25.00 लाख						
राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मन्दिर श्री रघुनाथ जी रतनगढ चुरु	75.00 लाख						
मंगलेश्वर महादेव बांसवाडा	180.00 लाख						

इस हेतु पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक, जो की केन्द्र/राजस्थान में विभिन्न वांछित अधिनियमों में पंजीकृत हो, निर्धारित दिनांक एवं समय तक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर भाग ले सकते हैं। निविदा प्रपत्र एवं शर्तें इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं अथवा राजस्थान लोक उपापन पोर्टल <http://sppp.raj.nic.in> एवं विभागीय वेबसाइट www.devasthan.rajasthan.gov.in डाउनलोड की जा सकती हैं। निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर प्रस्तुत करने की स्थिति में दस्तावेज की लागत का डी डी तकनीकी बिड के साथ जमा कराना आनिवार्य है।

आयुक्त

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

निर्माण कार्यो हेतु कार्यो की प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने (DPR) का कार्य हेतु तकनिकी बिड प्रपत्र

1. बोली दाता/संवेदक :-
2. डाक का पता :-
3. फोन/मोबाईल नम्बर :-
4. ई-मेल :-
5. बैंक का नाम :- IFSC Acctt. No.
6. बोली दस्तावेज की लागत रु0 200/- का डीडी/बीसी सं दिनांक
बक का नाम संलग्न है।
7. बिड सिक्युरीटी राशि रु0 9800/- का डीडी/बीसी सं दिनांक
बक का नाम संलग्न है।
8. बोली दाता/संवेदक द्वारा निम्नलिखित पंजीकरण का विवरण निर्धारित कॉलम्स में प्रस्तुत किया जायेगा तथा पंजीकरण एवं अन्य प्रमाण-पत्रों की स्व-हस्ताक्षरित प्रति बोली दस्तावेजों के साथ लगानी होगी।

क्र सं	विवरण	पंजीकरण सं	वर्ष	पंजीकरण दिनांक	संलग्नक क्रमांक
1	राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958 या इण्डियन पार्टनशिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956/2013 के अन्तर्गत				
2	वस्तु एवं सेवाकर				
3	आय कर (पैन नम्बर)				
4	बैंक खाता पास बुक एवं निरस्त चैक की प्रति				
5					
6					
7					

विधिक/प्रशासनिक मान्यता/अनुज्ञप्ति/पंजीकरण संबंधी अभिलेखों व अन्य प्रमाण पत्रों की स्वहस्ताक्षरित प्रति संलग्न करना आवश्यक है।

9. बोलीदाता/संवेदक द्वारा गत 3 वर्षों (2015-16, 2016-17, 2017-18) में केन्द्र/राज्य के राजकीय विभाग/उपक्रम/स्वायत्त संस्थायें/परियोजनायें/बोर्ड/समिति/आयोग आदि में कम से कम एक वर्ष तक निरन्तर कार्य करने का

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

अनुभव होना आवश्यक है, जिसका विवरण निम्नलिखित प्रफॉर्मा में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक है।

क्रं.सं.	विभाग/संस्थान का नाम	कार्यादेश राशि	समान प्रवृत्ति के कार्य का आदेश विवरण एवं संख्या	संबंधित विभाग/संस्थान से जारी संतोषजनक सेवा का प्रमाण पत्र का अंकन

बोली दाता संवेदक द्वारा गत 3 वर्षों में औसत टर्न-ओवर लाख का होना चाहिये। इस हेतु CA द्वारा जारी स्वहस्ताक्षरित प्रति संलग्न करना आवश्यक है।

10. मैं/हम आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर द्वारा जारी बिली आमंत्रण सूचना क्रमांक में वर्णित सभी शर्तों से तथा संलग्न दस्तावेजों में दो गई अतिरिक्त शर्तों से बाध्य होना स्वीकार करत है। इस हेतु दस्तावेजों एवं सभी संलग्नक पर हस्ताक्षर कर दिये हैं।
11. तकनीकी बोली में क्वालिफाईड/सफल बोलीदाता/संवेदक की ही वित्तीय बोली/प्राईस बिड खोली जायेगी।
12. आर्किटेक्ट कंसल्टेंट्स को आरएचपीपीए, आरएसआरडीसी, पुरातत्व, पर्यटन विभाग (कला एवं संस्कृति) के एम्प्लेनेल्ड आर्किटेक्ट की सूची में आवश्यक रूप से होना चाहिए।
13. बोली दाता संवेदक देवस्थान विभाग के न्यूनतम 1 करोड़ तक के कार्यों की डिजाईनिंग के कार्य का अनुभव होना चाहिए।
14. बोली दाता संवेदक का राजस्थान में कार्यकाल संचालित होना चाहिए।
15. बोली दाता संवेदक फर्म को न्यूनतम 3 वर्ष तक के कार्य का अनुभव होना चाहिए। साथ ही उसे अन्य वांछित विधिक/प्रशासनिक मान्यता/अनुज्ञप्ति प्राप्त होना चाहिए।
16. बोली दाता संवेदक द्वारा डीपीआर बनाने से पूर्व संभावित कार्यों की सूची सहायक आयुक्त एवं सहायक अभियन्ता के साथ तैयार की जायेगी।
17. सफल बोली दाता/संवेदक को जिस कार्य की डीपीआर बनाई जानी है, उसका उसे एक सप्ताह के अन्तर्गत मौका विजिट कर कार्यालय आदेश अनुसार दी गई अवधि में अपना प्रेजेंटेशन/विजन प्लान प्रस्तुत करना होगा, जिसमें कार्य स्थल का वर्तमान नक्शा, प्रस्तावित नक्शा, कार्यों पर संभावित व्यय का आकलन (विस्तृत तखमीना G-Schedule/H-Schedule), कार्यों का ले-आउट, डीटेल वर्किंग ड्राईंग तथा थ्री-डी डिजाईन-फ्रॉन्ट एवं साईड ऐलिवेशन सहित पूरे कार्य सम्पादन की योजना सी.डी. में एवं 3D Picture में उपलब्ध कराना होगी। मंदिर परिसर अथवा तीर्थस्थल का टोटल स्टेशन कन्टूर सर्वे रिपोर्ट (हार्ड कॉपी तथा सॉफ्ट कॉपी जिसमें पी.डी. एफ./एम.एस. वर्ड या एक्सेल के साथ-साथ ऑटो-कैड फॉर्मेट भी हों)

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

18. सफल बोली दाता/संवेदक कार्यादेश मिलने पर मौका विजिट के समय संबंधित सहायक आयुक्त, सहायक अभियन्ता देवस्थान कार्यालय से निम्न आदेश/सूचना साथ ले जानी आवश्यक होगी।

1. संभावित भूमि की सूची/नक्शा,
2. कार्य वन विभाग अथवा पुरातत्व विभाग से संबंधित हो तो संबंधित सहायक आयुक्त कार्यालय से उक्त कार्य हेतु अनुमति या अनापत्ति प्राप्त कर जी जाए।
3. मंदिर से संबंधित ट्रस्ट हो तो संबंधित सहायक आयुक्त कार्यालय से उक्त कार्य हेतु ट्रस्ट का अनुमति या अनापत्ति प्राप्त कर जी जाए।

19. सफल बोली दाता/संवेदक के कार्मिक को विजिट हेतु पृथक से किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ते का भुगतान नहीं किया जायेगा।

बोली दाता के हस्ताक्षर

नाम मय सील

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

निविदा-बोली की सामान्य शर्तें

General terms & conditions of Bid Contract:-

Important Instruction:- The Law relating to procurement "The Rajasthan Transparency in public Procurement Act. 2012 [Hereinafter called the Act] and the Rajasthan transparency in public procurement Rules, 2013 [Hereinafter called the Rules] under the said Act have come into force which are available on the website of State Public procurement Portal <http://sppp.raj.nic.in>. Therefore, the bidders are advised to acquaint themselves with the provisions of the Rules before participating in the bidding process. if there is discrepancy between the provision of the Act and the Rules and this bidding Document. The provision of the Act and the Rules shall prevail.

1. राजस्थान लोक उपापन में पादर्शिता अधिनियम 2012 नियम 2013 तथा सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम एवं इस संबंध में वित्त विभाग, राजस्थान द्वारा जारी अधिसूचना, परिपत्र गाईड लाईन, आदेश एवं निर्देश आदि प्रभावी रहेंगे। न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 (केन्द्रय अधिनियम 11, वर्ष 1948) के वैधानिक प्रावधानों की अनुपालना का दायित्व संबंधित संवेदक/बोलीदाता का होगा। राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 एवं कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार पंजीकृत संवेदक/बोलीदाता ही उक्त प्रकार की बोली में भाग लेने हेतु अर्हत होंगे। पंजीकरण प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि पूर्ण रूप से भरे हुए बोली दस्तावेज के साथ प्रस्तुत की जायेंगी।
2. बोली की विधि मान्यता वित्तीय बोली/प्राईस बिड खुलने की तिथि से 90 दिन की अवधि के लिए विधि मान्य होगी।
3. बोलीदाता अपनी संविदा को या उसके सारवान भाग को किसी अन्य एजेन्सी के लिए नहीं सौंपेंगे या भाडे (Sub-let) पर नहीं देंगे।
4. मूल्यांकन की कसौटी – तकनीकी-वाणिज्यिक बोली में सफल/क्वालिफाईड बोलीदाता/संवेदक की ही वित्तीय बिड खोली जायेगी एवं सभी कायो हेतु कुल योग राशि में न्यूनतम कीमत के आधार पर वित्तीय बोली/क्वालिफाईड बिड का मूल्यांकन किया जावेगा।
5. बोलियों का अपवर्जन :- अधिनियम की धारा 25 में उल्लेखित आधार पर बोली को अपवर्जित किया जा सकेगा।
6. बोली प्रतिभूति राशि "आयुक्त देवस्थान उदयपुर के नाम पर डिमान्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक के रूप में जमा करायी जावेगी। सफल बोलीदाता के करार निष्पादन पर और कार्य सम्पादन प्रतिभूति देने पर या उपापन प्रक्रिया के निरस्तीकरण पर शीघ्र ही बोली प्रतिभूति बोलीदाताओं को लौटा दी जावेगी। बोली प्रतिभूति का समपहरण (Forfeication of Bid Security) बोली प्रतिभूति का निम्नलिखित मामलों में समपहरण (Forfeication) किया जा सकेगा।
(क) जब बोलीदाता बोली खुलने किन्तु बोली स्वीकार करने के पूर्व अपने प्रस्ताव को वापस लेता है या उसमें रूपान्तरण (Modification) करता है।
(ख) जब बोलीदाता विनिर्दिष्ट समय के भीतर करार निष्पादित नहीं करता है।

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

- (ग) जब बोलीदाता स्वीकृति की सूचना के पश्चात् कार्य सम्पादन प्रतिभूति जमा नहीं कराता है।
- (घ) जब बोलीदाता बोली निर्धारित सप्लाई अवधि में कम्प्युटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक सप्लाई प्रारम्भ नहीं कराता है।
- (ङ) यदि बोली लगाने वाला अधिनियम और इन नियमों के अध्याय-6 में विनिर्दिष्ट बोली लगाने वालों के लिए विहित सत्यनिष्ठा की संहिता के किसी उपबंध को भंग करता है।

7. करार एवं कार्य सम्पादन प्रतिभूति (Agreement and performance security)

(अ) बोली आमंत्रण में अंकित सेवा की आपूर्ति हेतु सफल बोलीदाता को बोली स्वीकृति आदेश पत्र की दिनांक से अधिकतम 07 दिन में सेवा में प्रदाय आदेश की रकम की पाँच प्रतिशत राशि कार्य सम्पादन प्रतिभूति के रूप में डिमान्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक निदेशक, कोष एवं लेखा, राजस्थान, जयपुर के नाम पर जमा करानी होगी एवं उक्त प्रदाय आदेश की रकम के 0.25 प्रतिशत (अधिकतम 15000 रुपये) के बराबर राशि के नॉन-ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर सामान्य एवं वित्तीय लेखा नियम में निर्धारित एस.आर. प्रारूप 17 में एक करार पत्र निष्पादन करना होगा।

(ब) सफल बोली लगाने वाले की दशा में, बोली प्रतिभूति की रकम कार्य निष्पादन प्रतिभूति की रकम में समायाजित की जा सकती है या लौटायी जा सकती है यदि सफल बोली लगाने वाला पूर्ण रकम की कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि दे देता है।

(स) कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि पर विभाग द्वारा ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा।

8. कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि का समपहरण (Forfeiture of Work performance security Deposit):—कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि का पूर्ण या आंशिक रूप से निम्नांकित मामलों में समपहरण (Forfeiture) किया जा सकेगा।

(क) जब संविदा की शर्तों का उल्लंघन किया गया हो।

(ख) जब बोलीदाता सम्पूर्ण कार्य सन्तोषजनक ढंग से करने में असफल रहा हो।

(ग) जब बोलीदाता कार्य आदेश के अनुसार निर्धारित सप्लाई अवधि में कार्य आरम्भ करने में असफल रहता है। कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि का समपहरण करने के मामले में युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। इस संबंध में उपामन संस्था का निर्णय अंतिम होगा।

9. भुगतान:— सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम के अनुसार उचित प्रारूप में बिल तीन प्रतियों में प्रस्तुत करने पर नियमानुसार भुगतान किया जाएगा। संवेदक को भुगतान चार चरणों में किया जायेगा। जिसका विवरण निम्नानुसार है:—

1. प्रथम चरण:— 25 प्रतिशत (कार्य का ले-आउट प्लान एवं नक्शा, पूर्व एवं वर्तमान में प्रस्तावित)
2. द्वितीय चरण:— 25 प्रतिशत (कार्य का आदेशानुसार मॉडल प्रस्तुत करने पर)
3. तृतीय चरण:— 50 प्रतिशत (अंतिम किश्त राशि का आदेश अनुसार कार्य पूर्ण होकर डीपीआर के अनुमोदन पश्चात्)

10. परिनिर्धारित क्षति (Liquidated Damages) परिनिर्धारित क्षति के साथ सेवा सुपुर्दगी अवधि में वृद्धि करने के मामले में वसूली निम्नलिखित प्रतिशत के आधार पर उन मूल्यों के लिए की जाएगी जिनकी बोलीदाता सेवा सप्लाई करने में असफल रहा है:—

(क) विहित सुपुर्दगी अवधि की एक चौथाई अवधि तक के विलम्ब के लिए—2.5%

(ख) विहित सुपुर्दगी अवधि की एक चौथाई अवधि से अधिक— 5.0%

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

किन्तु विहित अवधि की आधी अवधि से अनधिक के लिए

(ग) विहित सुपुर्दगी अवधि की आधी अवधि से अनधिक किन्तु— 7.5%

विहित अवधि के तीन चौथाई से अनधिक अवधि के लिए

(घ) विहित सुपुर्दगी अवधि के तीन चौथाई से अधिक के विलम्ब के लिए— 10.0%

(ङ) विलम्ब की अवधि में आधे दिन से कम के भाग को छोड़ दिया जायेगा।

(च) परिनिर्धारित क्षति की अधिकतम राशि— 10.0% हागी।

(छ) यदि बोलीदाता किन्ही बाधाओं के कारण संविदान्तर्गत सेवा की सल्पाई को पूरा करने के लिए समय में वृद्धि चाहता है, तो वह लिखित में उस प्राधिकारी को आवेदन करेगा जिसने प्रदायगी आदेश दिया है। किन्तु वह, उसके लिए आवेदन बाधा के घटित होने पर तुरन्त उसी समय करेगा न कि सल्पाई पूर्ण होने की निर्धारित तारीख के बाद करेगा।

(ज) यदि सेवा की सल्पाई करने में उत्पन्न हुई बाधा बोलीदाता के नियंत्रण से पूरे कारणों से हुई हो, तों सुपुर्दगी की अवधि में वृद्धि परिनिर्धारित क्षति सहित या रहित की जा सकेंगी।

11. बोली के निर्वचन के संबंध में किसी प्रकार की समस्या/संदेह हो तो निम्नलिखित से सम्पर्क किया जा सके।

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

-:घोषणा पत्र:-

निविदा बोली की समस्त जानकारी/शर्तों का मैंने/हमने अच्छी तरह अध्ययन कर लिया है। मैं/हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि मैं/हम उक्त कार्य हेतु रजिस्टर्ड है वास्तव में ई-बोली में चाहा गया व्यवसाय किया जाता है तथा वांछित मशीन/उपकरण/प्रशिक्षित कार्मिक उपलब्ध है तथा "अधिनियम" की धारा 46 एवं "नियम" के नियम 39 के अनुसार राज्य सरकार या इस उपापन संस्था से अपात्रता के लिए विवर्जित (Debarred) नहीं हैं।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाएं तो किसी भी अन्य कार्रवाई, जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मेरी/हमारी बोली प्रतिभूति/ एवं कार्य निष्पादन प्रतिभूति को पूर्ण रूप में समपहत कर किया जा सकेगा तथा निविदा बोली को, जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

बेलेदाता के हस्ताक्षर
नम मय सील

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘A’

COMPLIANCE WITH THE CODE OF INTEGRITY AND NO CONFLICT OF INTEREST:-

Any person participating in a procurement process shall-

- a) Not offer any bribe, reward of gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- b) Not misrepresent or omit misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anti competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- d) Not misuse any information shared between the procuring entity and the bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any part or to its property to influence the procurement process;
- f) Not obstruct any investigation or audit of procurement process,
- g) Disclose conflict of interest, if any, and
- h) Disclose any previous transgression with any entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

CONFLICT OF INTEREST:-

The bidder participating in a bidding process must not have a conflict of interest. A conflict of interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

1. A Bidder may be considered to be in conflict of interest with one or more parties in bidding process if, including but not limited to:
 - a. Have controlling partners/shareholders in common; or
 - b. Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. Have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another bidder, or influence the decision of the procuring entity regarding the bidding process; or
 - e. The bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a bidder, in more than one Bid; or
 - f. The bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the goods, works or services that are the subject of the Bid; or

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

- g. The bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired by the Procuring Entity as engineer-in charge/consultant for the contract.

Date:

Signature of Bidder with Seal

Name:

Designation:

Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘B’

DECLARATION BY THE BIDDER REGARDING QUALIFICATIONS

DECLARATION BY THE BIDDER

In relation to my/our Bid submitted to Commissioner Devsthan **Udaipur** for procurement of **M/s** In response to their notice inviting Bids No.....DatedI/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the bidding Document issued by the procuring entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the bidding document;
3. I/we are not insolvent, in receivership bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements of misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the bidding document, which materially affects fair competition.

Date:
Place:

Signature of Bidder with Seal

Name:
Designation:
Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘C’

GRIEVANCE REDRESSAL DURING PROCUREMENT PROCESS

The designation and address of the First Appellate Authority is

.....
.....
.....

The designation and address of the Second Appellate Authority
is.....

.....
.....

1. Filing an appeal:-

If any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the procuring entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the bidding document within a period of ten days, from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or ground on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a bidder as successful the appeal may be filed only by a bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a procuring entity evaluates the technical bids before the opening of the financial Bids, and appeal related to the matter of financial Bids may be filed only by a bidder whose technical Bid is found to be acceptable.

2. The officer to whom an appeal is filed under Para (1) will deal with the appeal as expeditiously as possible and will Endeavour to dispose it off within thirty days from the date of the appeal.
3. If the officer designated under Para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in Para (2), or if the bidder or prospective bidder or the procuring entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the bidder or prospective bidder or the procuring entity, as the case may be may file a second appeal to second Appellate Authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in Para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

4. Appeal not to lie in certain cases:-

No appeal will lie against any decision of the procuring entity relating to the following matters, namely:-

- (a) Determination of need of procurement;
- (b) Provision limiting participating of bidders in the Bid process;
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) Cancellation of procurement process;
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality

5. Form of Appeal:-

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

- (a) An appeal under Para (1) or (3) above will be in the annexed Form along with many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal will be accompanied by an order appealed against, if any affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case maybe, in person or through registered post or authorized representative.

6. Fee for filling appeal

- (a) Fee for first appeal will be rupees two thousand five hundred and for second appeal will be rupees ten thousand, which will non-refundable.
- (b) The fee will be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

7. Procedure for disposal of appeal:-

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case maybe, upon filing of appeal, will issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, will,-
 - (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned will pass an order in writing and provide the copy of order to the parties free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause © above will be place on the State Public Procurement Portal.

Date:
Place

Signature of Bidder with Seal
Name:
Designation:
Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

FORM No. 1

[See rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement

Act, 2012

Appeal No.of.....

Before the(First/Second Appellate Authority)

1. Particulars of Appellant:

(i) Name of the appellant:

(ii) Official address, if any:

(iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent (s)

(i)

(ii)

(iii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer/authority who passed the order (enclose copy) or a statement of a decision, action or mission of the procuring entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposed to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:

5. Number of Affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:

.....
.....
.....

(supported by an affidavit)

7. Prayer :

.....
.....
.....

...

Place.....

Date.....

Appellant's

Signature

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

Annexure-‘D’

ADDITIONAL CONDITIONS OF CONTRACT

1. Correction of Arithmetic Errors:-

Provided that a financial Bid is substantially responsive, the procuring entity will correct arithmetical errors during evaluation of financial Bids on the following basis:

- (i) If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price will prevail and the total price will be corrected, unless in the opinion of the procuring entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted will govern and the unit price will be corrected;
- (ii) If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the sub totals will prevail and the total will be corrected; and
- (iii) If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words will prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures will prevail subject to clause (i) and (ii) above.

If the bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid will be disqualified and its Bid security will be forfeited or its Bid securing declaration will be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

The quantity mentioned in the Bid is the minimum approximate quantity that the bidder will have to compulsorily supply to specified destination.

- (a) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or service originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit process or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (b) If the procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procure less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the conditions of contract.
- (c) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity will not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, the Procuring Entity will be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred will be recovered from the supplier.

3. DIVIDING QUANTITIES AMONG MORE THAN ONE BIDDER AT THE TIME OF AWARD (IN CASE OF PROCUREMENT OF GOODS):-

As a general rule all the supply will be taken from successful bidder, whose Bid is accepted, However, when it is considered that the quantity of the subject matter of

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

supply to be supplied is very large and it may not be in the capacity of the bidder, whose Bid is accepted to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the bidder, whose Bid is accepted and the second lowest bidder or even more bidders, in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the bidder, whose Bid is accepted.

Date:

Place:

Signature of Bidder with Seal

Name:

Designation:

Address:

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

—:वित्तीय बिड:—

वित्तीय बोली/प्राईस बिड निम्नानुसार प्रपत्र में भरकर पृथक से लिफाफे में बन्द कर निविदा के साथ प्रस्तुत करें। लिफाफे पर बड़े अक्षरों में वित्तीय बोली/प्राईस बिड आवश्यक रूप से लिखें।

वित्तीय बिड— डीपीआर कार्य हेतु प्रस्तावित दर प्रति डीपीआर

क्र. सं.	कार्य का नाम जिसकी डीपीआर तैयार की जानी है।	सामग्री / उपकरण (ले-आउट प्लान, सीडी, प्रस्तावित कार्य का मॉडल आदि)	सेवा प्रदाता का सर्विस चार्ज राशि	कुल राशि
1	सुपर्दगी श्रेणी मन्दिर श्री लोहार्गल तीर्थ, झुन्झनु का विकास कार्य			
2	राजकीय आत्म निर्भर मन्दिर श्री विजवा माता, डूंगरपुर का विकास कार्य			
3	राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मन्दिर श्री मुरलीमनोहर जी, रतनगढ चुरु			
4	राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मन्दिर श्री रघुनाथ जी रतनगढ चुरु			
5	मंगलेश्वर महादेव बांसवाडा			
	योग			

बोली दाता के हस्ताक्षर

नाम मय सील

कार्यालय देवस्थान विभाग, उदयपुर

क्रमांक:-एफ 1 (1)लेखा/निविदा/देव/2018

दिनांक

खूली बोली आमंत्रण सूचना/2018-19

वित्तीय वर्ष 2018-19 में इस कार्यालय के अधीन होने वाले विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यो हेतु कार्यो की प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने (DPR) एवं कार्य पर्यवेक्षण कार्य (PMC) किया जाना है। इस हेतु पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक, जो की केन्द्र/राजस्थान में विभिन्न वांछित अधिनियमों में पंजीकृत हो से दोहरा लिफाफा पद्धती से निर्धारित प्रपत्र में बोलिया आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं शर्तें राजस्थान लोक उपापन पोर्टल <http://sppp.raj.nic.in> एवं विभागीय वेबसाईट www.devasthan.rajasthan.gov.in एवं पर भी देखी जा सकती है, अथवा डाउनलोड कि जाकर भरी जा सकती है। निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर प्रस्तुत करने की स्थिति में दस्तावेज की लागत का डी डी तकनिकी बिड के साथ जमा कराना आनिवार्य है।

क्रं सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बोली दस्तावेज की लागत	बोली प्रतिभुति राशि	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक व समय	तकनिकी बिड खोलने एवं दिनांक एवं समय	
1	निर्माण कार्यो की DPR मय ड्राईंग आदि कार्य	490000	400	9800	25.06.2018 प्रातः 11.00 बजे	25.06.2018 सांय 03.00 बजे	
2	निर्माण कार्यो का पर्यवेक्षण (PMC)	960000	400	19200	25.06.2018 प्रातः 11.00 बजे	25.06.2018 सांय 03.00 बजे	

आयुक्त

क्रमांक:-एफ 1 (1)लेखा/निविदा/देव/2018

दिनांक

प्रतिलिपि सूचनार्थः

1. शासन सचिव, देवस्थान, राजस्थान जयपुर।
2. साधना पब्लिसिटी सर्विस, चेतक मार्ग, उदयपुर को भेजकर लेख है कि डीआईपीआर की दरों से 10 प्रतिशत कम दर में उपरोक्त विज्ञापन राजस्थान पत्रिका के उदयपुर एवं जयपुर संस्करण में दिनांक 16.06.2018 को प्रकाशित कराकर बिल दो प्रतियों में इस कार्यालय को प्रेषित करावें।
3. अतिरिक्त आयुक्त/वित्तीय सलाहकार/ उपायुक्त मुख्यावास/सहायक आयुक्त उदयपुर/ सहायक लेखाधिकारी ग्रेड प्रथम सदस्य उपापन समिति को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
4. सूचना सहायक/प्रभारी कम्प्युटर सेल को भेजकर लेख है उक्त निविदा को आज ही विभाग की वेबसाईट www.devasthan.rajasthan.gov.in पर व राजस्थान लोक उपापन पोर्टल <http://sppp.rajasthan.gov.in> पर अपलोड कर एवं तत्सम्बन्धी विवरण की प्रति लेखा अनुभाग को उपलब्ध करावे।
5. नोटिस बोर्ड कार्यालय संभागीय आयुक्त, उदयपुर, जिला कलक्टर, उदयपुर, आयुक्त देवस्थान, उदयपुर एवं सहायक आयुक्त देवस्थान, उदयपुर।।

आयुक्त

देवस्थान विभाग,
राजस्थान, उदयपुर